आनंद ही आनंद बरस रहा बिहारी जी के द्वार पे

आनंद ही आनंद बरस रहा,
बिहारी जी के द्वार पे,
भक्तों का मन भी हरष रहा,
बिहारी जी के द्वार पे।bd।

पलकों से चौखट बुहारू,
पल पल तेरी नज़र उतारू,
जब भी मैं झांकी को देखूं,
तन मन सब तो पे वारु,
दर्शन को मैं भी तरस रहा,
बिहारी जी के द्वार पे,
भक्तों का मन भी हरष रहा,
बिहारी जी के द्वार पे।bd।

खुशियां ही खुशियां छाई,
भक्तों सबको है बधाई,
अरे मंगल गाओ भक्तों,
देखो शुभ घड़ी है आई,
रे भक्तों का मनवा हरष रहा,
बिहारी जी के द्वार पे,
भक्तों का मन भी हरष रहा,
बिहारी जी के द्वार पे।bd।

आनंद कंद है बिहारी,
आनंद ही है बरसाते,
आनंद से भर जाते,
जो इनकी शरण में आते,
ज़र्रा ज़र्रा देखो हरष रहा,
बिहारी जी के द्वार पे,
भक्तों का मन भी हरष रहा,
बिहारी जी के द्वार पे।bd।

आनंद ही आनंद बरस रहा,
बिहारी जी के द्वार पे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

भक्तों का मन भी हरष रहा,
बिहारी जी के द्वार पे।bd।

Singer – Rakesh Kala

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com